हिन्दी प्रकोष्ठ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी द्वारा वित्तीय वर्ष (2025-26) की कुछ कालाक्रम झलकियाँ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी निदेशों के अनुसार कार्य करने का यथासम्भव प्रयास किया जाता है। इस वित्तीय वर्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं-

प्रथम बैठक – 9 अप्रैल, 2025
द्वितीय बैठक -18 जुलाई, 2025
तृतीय बैठक -18 नवम्बर, 2025
चतुर्थ बैठक -16 फरवरी, 2026

कवि सम्मेलन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के छात्र उत्सव "एक्सोडिया" में दिनांक 19 अप्रैल, 2025 को हिन्दी काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वन्दना से किया गया। इसमें अन्तर्राष्ट्रीय कवि श्री दिनेश श्रीवास्तव (दिनेश दिग्गज), श्री सुदीप सोनी (सुदीप भोला), श्री दिनेश मालवीय (दिनेश अनल), श्री चेतन विजयवर्गीय (चेतन चर्चित) और श्रीमती राधिका मित्तल आमंत्रित थी।

अन्तर्राष्ट्रीय कवि श्री दिनेश दिग्गज ने बहुत ही रोचकता से मंच का कुशल संचालन भी किया। सभागार में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के निवासी, छात्र और कर्मचारी श्रोता के तौर पर शामिल थे। सभी कवियों ने अपनी सरस कविताओं से श्रोताओं का मन प्रफुल्लित कर दिया। श्री दिनेश अनल ने वीर रस से ओत-प्रोत कविता पाठ करके श्रोताओं में देशभक्ति की लहर उत्पन्न कर दी। अन्य कवियों ने हास्यप्रद कविताओं से सभी का भरपूर मनोरंजन किया। यह आयोजन सभी के लिए यादगार रहा। दर्शक दीर्घा में कवि डॉ. यश मालवीय की गरिमामयी उपस्थिति भी सभी अतिथि कवियों और श्रोताओं के लिए प्रेरणादायी बनी।

कवि सम्मेलन की झलकियाँ

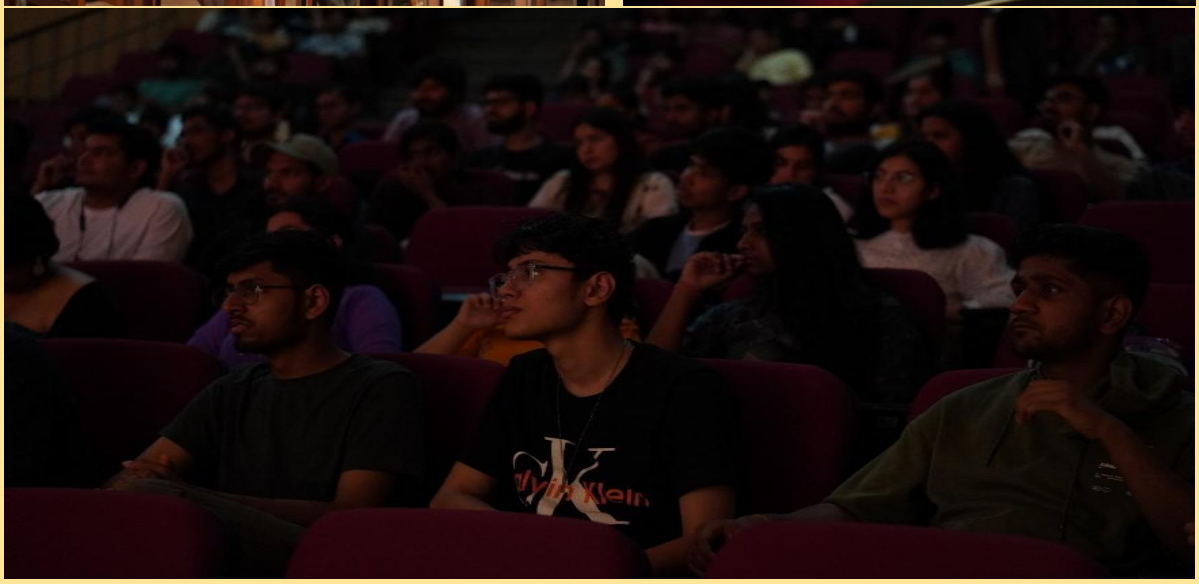

हिन्दी कवि सम्मेलन के दौरान सम्मानित कवि एवम् श्रोतागण

प्रथम कार्यशाला

संस्थान में दिनांक 30 जून, 2025 को राजकीय वल्लभ महाविद्यालय मण्डी, ज़िला मण्डी के सहायक प्राध्यापक, डॉ. होशियार सिंह द्वारा **"हिन्दी राजभाषा का भविष्य और चुनौतियाँ"** विषय पर हिन्दी कार्यशाला का कुशल संचालन किया गया। इसका शुभारम्भ हिन्दी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. सौम्य मालवीय द्वारा किया गया। डॉ. होशियार सिंह ने भारत की पराधीनता और वर्तमान स्थिति में हिन्दी साहित्यकारों के योगदान, संवैधानिक प्रावधान तथा आधुनिकता कै दौर

में प्रयोग की जाने वाली हिन्दी का उदाहरण देते हुए कर्मचारियों को सरल हिन्दी का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला के सम्पन्न होने पर अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी।

द्वितीय कार्यशाला

संस्थान में दिनांक 26.09.2025 को **"टिप्पण और प्रतिवेदन"** विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस संस्थान के उप कुलसचिव महोदय द्वारा कार्यशाला के अतिथि वक्ता राजकीय वल्लभ महाविद्यालय मण्डी, ज़िला मण्डी के सहायक प्राध्यापक, डॉ. होशियार सिंह को सम्मानित किया गया। यह कार्यशाला विशेष रूप से नव नियुक्त कनिष्ठ सहायकों के लिए आयोजित की गई थी। डॉ. होशियार सिंह ने उपस्थित कर्मचारियों के साथ तर्क संगत संवाद करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस कार्यशाला के सम्पन्न होने पर अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी।

द्वितीय कार्यशाला के दौरान व्याख्याता के तौर पर पधारे डॉ. होशियार सिंह को सम्मानित करते हुए उप कुलसचिव श्री सुरेश रोहिल्ला

हिन्दी पखवाड़ा-2025

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी कार्यक्रमों के अनुसार, हिन्दी भाषा का कार्यालयीन प्रयोग बढ़ाने के लिए दिनांक 16.09.2025 से दिनांक 30.09.2025 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में हिन्दी टंकण, निबन्ध लेखन, कविता पाठ, कार्यालयीन अनुवाद, नोटिंग ड्राफ़्टिंग, पोस्टर मेकिंग, वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताएँ प्रस्तावित थीं। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार राशि क्रमशः 5000/-रु., 3000 रु. और 2000 रु. थी। इसके अतिरिक्त, सभी प्रतियोगिताओं में दो-दो सान्त्वना पुरस्कार (प्रत्येक की राशि केवल 1200 रु.) भी प्रस्तावित थे।

स्व-रचित कविता वाचन प्रतियोगिता के प्रतिभागी और निर्णायक मण्डल

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागी और निर्णायक मण्डल

पुरस्कार वितरण समारोह

हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों एवम् कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक मण्डल द्वारा घोषित विजेताओं को सम्मानित करने के लिए संस्थान में दिनांक 9 दिसम्बर, 2025 को पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इसका शुभ आरम्भ हिन्दी प्रभारी, डॉ. सौम्य मालवीय के वक्तव्य से हुआ। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षा, डॉ. सुमन और उप कुलसचिव श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला ने विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मारिका भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर हिन्दी प्रभारी द्वारा प्रतियोगिताओं के विजेताओं का निर्णय करने के लिए निर्मित निर्णायक मण्डल और संस्थान में लागू हिन्दी प्रोत्साहन योजना के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह की कुछ झलकियाँ

विजेता एवम् निर्णायक मण्डल

हिन्दी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. सौम्य मालवीय

तृतीय कार्यशाला

इस संस्थान से "अन्तः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेल महोत्सव" में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद जाने वाले सभी कर्मचारी प्रतिभागियों के लिए दिनांक 18 दिसम्बर, 2025 को संस्थान के दक्षिणी परिसर में **"बोल-चाल में हिन्दी भाषा को प्रोत्साहन"** विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के कुलसचिव महोदय की अनुपस्थिति में उप पुस्तकालयाध्यक्ष, श्री नरेश सिंह भण्डारी द्वारा सभी प्रतिभागियों को हिन्दीतर क्षेत्र में हिन्दी भाषा में संवाद करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके समापन में खिलाड़ियों के लिए जल-पान की भी व्यवस्था की गई थी।

तृतीय कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

चतुर्थ कार्यशाला

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के निर्देशानुसार, हिन्दी प्रकोष्ठ में कार्यरत श्री दीपक कुमार शर्मा, कनिष्ठ अधीक्षक (राजभाषा) द्वारा दिनांक 23 फरवरी, 2026 को **"राजभाषा के वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति"** विषय पर हिन्दी कार्यशाला का संचालन किया गया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा भाषा के आधार पर निर्धारित क, ख और ग क्षेत्रों की जानकारी प्रदान करते हुए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा

केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में समय-समय पर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के अनुरूप कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में सुधार करने के उपाय बताए।

श्री दीपक कुमार शर्मा ने कार्यालयों में उपयोग की जाने वाली टिप्पणी, कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र आदि के उदाहरण देते हुए सरल भाषा में कर्मचारियों को जानकारी दी। उन्होंने बताया, कि यदि किसी पत्र में दिए गए अंग्रेज़ी विवरण के अलावा शीर्षक, दिनांक, विषय, प्रेषित प्रतिलिपि परिचय और हस्ताक्षर हिन्दी में किए जाएं, तो भी उस टिप्पणी या पत्र को द्विभाषी माना जा सकता है। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते हुए इस कार्यशाला का सफल आयोजन किया। उन्होंने हिन्दी प्रकोष्ठ की ओर से सभी कर्मचारियों का कार्यशाला में भाग लेने के लिए धन्यवाद किया। इस कार्यशाला के समापन पर सभी के लिए जल-पान की भी व्यवस्था की गई थी।

चतुर्थ राजभाषा कार्यशाला के प्रतिभागी